BODOLAND UNIVERSITY

U.G HINDI SYLLABUS

SEM -I						
Paper Code	**Course**	**Credit**	**Credit Distribution (L+T+P)**	**End Sem Marks**	**Internal Marks**	**Total Marks**
HINMAJ101 - 4	हिन्दी साहित्य का इतिहासः आदिकाल और भक्तिकाल	4	3+1+0			100
HIN MIN 101 - 4	आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य	4	3+1+0			100
HIN IDC 101 - 3	सोशल मीडिया	3	2+1+0			50
HIN AEC 101 - 2	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण	2	2+0+0			50
HIN SEC101 - 3	पटकथा तथा संवाद लेखन	3	2+1+0			50
HIN VAC 101 - 4	----	4				
TOTAL		20				

SEM -II						
Paper Code	**Course**	**Credit**	**Credit Distribution (L+T+P)**	**End Sem Marks**	**Internal Marks**	**Total Marks**
HIN MAJ 102 - 4	हिन्दी साहित्य का इतिहासः रीतिकाल और आधुनिक काल	4	3+1+0			100
HIN MIN 102 - 4	हिन्दी कथा साहित्य	4	3+1+0			100
HIN IDC 102 - 3	प्रेमचन्द की कहानियाँ	3	2+1+0			50
HIN AEC 101 - 2	हिन्दी व्याकरण और रचना	2	2+0+0			50
HIN SEC 102 - 3	विज्ञापन और हिन्दी भाषा	3	2+1+0			50
HIN VAC 102 - 4	----	4				
TOTAL		20				

SEM -III						
Paper Code	**Course**	**Credit**	**Credit Distribution (L+T+P)**	**End Sem Marks**	**Internal Marks**	**Total Marks**
HIN MAJ201 - 4	आधुनिक हिन्दी कविता	4	3+1+0			100

HIN MAJ202-4	हिन्दी कहानी	4	3+1+0			100
HIM MIN201- 4	रीतिकालीन काव्य	4	3+1+0			100
HIN IDC 201 - 3	रेखाचित्र और संस्मरण	3	2+1+0			50
HIN AEC201 - 2	सर्जनात्मक लेखन	2	2+0+0			50
HIN SEC201 - 3	हिन्दी सिनेमा और साहित्य	3	2+1+0			50
TOTAL		20	15+5+0=20			450

SEM -IV						
Paper Code	**Course**	**Credit**	**Credit Distribution (L+T+P)**	**End Sem Marks**	**Internal Marks**	**Total Marks**
HIN MAJ 203 - 4	छायावादी काव्यधारा	4	3+1+0			100
HIN MAJ204 -4	हिन्दी उपन्यास	4	3+1+0			100
HIN MAJ205- 4	भारतीय काव्यशास्त्र	4	3+1+0			100
HIN MIN202- 4	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	3+1+0			100
HIN AEC202 - 2	हिन्दी भाषा शिक्षण	2	2+0+0			50
Internship		2				
TOTAL		20				

SEM -V						
Paper Code	**Course**	**Credit**	**Credit Distribution (L+T+P)**	**End Sem Marks**	**Internal Marks**	**Total Marks**
HIN MAJ-301– 4	हिन्दी एकांकी	4	3+1+0			100
HIN MAJ-302– 4	हिन्दी भाषा और भाषा-विज्ञान	4	3+1+0			100
HIN MAJ-303– 4	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3+1+0			100

HIN MAJ-304– 4	हिन्दी आलोचना	4	3+1+0			100
HIN MIN-301– 4	अनुवाद विज्ञान	4	3+1+0			100
TOTAL		20	15+5+0=20			500

SEM -VI						
Paper Code	**Course**	**Credit**	**Credit Distribution (L+T+P)**	**End Sem Marks**	**Internal Marks**	**Total Marks**
HIN MAJ-305 – 4	हिन्दी नाटक	4	3+1+0			100
HIN MAJ-306 –4	हिन्दी निबन्ध	4	3+1+0			100
HIN MAJ-307 –4	लोक साहित्य	4	3+1+0			100
HIN MAJ 308-4	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	4	3+1+0			100
HIN MIN 302-4	हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता	4	3+1+0			100
TOTAL		20	15+5+0=20			500

SEM –VII						
Paper Code	**Course**	**Credit**	**Credit Distribution (L+T+P)**	**End Sem Marks**	**Internal Marks**	**Total Marks**
HIN MAJ 401-4	तुलसीदास	4	3+1+0			100
HIN MAJ 402-4	पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तनएवं विविध वाद	4	3+1+0			100
HIN MAJ 403-4	अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य	4	3+1+0			100
HIN MAJ 404-4	शोध–प्रविधि/**Field Work**	4	3+1+0			100
HIN MIN 401-4	नाटक एवं रंगमंच	4	3+1+0			100
TOTAL		20	15+5+0=20			500

SEM -VIII						
Paper Code	**Course**	**Credit**	**Credit Distribution (L+T+P)**	**End Sem Marks**	**Internal Marks**	**Total Marks**
HIN MAJ 405-4	जयशंकर प्रसाद	4	3+1+0			100
HIN MIN 402-4	संस्कृत साहित्य का अध्ययन	4	3+1+0			100
	Dissertation	12				
शोध प्रबन्ध के बदले में छात्रों को अधोल्लिखित पत्रों को अध्ययन करना अनिवार्य है।						
HIN ADL 401-4	सूरदास	4	3+1+0			100
HIN ADL 402-2	प्रेमचंद	4	3+1+0			100
HIN ADL 403-4	बौद्ध धर्म, दर्शन और साहित्य	4	3+1+0			100
TOTAL		20				

हिंदी स्नातक पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम

स्नातक हिंदी (प्रतिष्ठा) कार्यक्रम से संबद्ध अधिगम परिणाम इस प्रकार है:-

1. साहित्य संप्रेषण के आधार बिंदुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के संबंध में एक स्पष्ट समझ विकसित हो सके।
2. हिंदी साहित्य और भाषा का व्यवस्थित और तर्कसंगत ज्ञान कराना ताकि उसके सैद्धांतिक पक्ष और साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता का विकास करना।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।
5. स्थानीय राष्ट्रीय और वैश्विक सांस्कृतिकता के वृहद संजाल के बारे में जानकारी देना ताकि विद्यार्थी में साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता विकसित हो सके।
6. समीच्य दृष्टि और व्यवस्थित वैचारिकी का प्रदर्शन करना जिससे कि हिंदी साहित्य के अध्ययन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हो सके।
7. आधुनिक संदर्भों में तकनीकी संसाधनों को इस्तेमाल करते हुए हिंदी साहित्य की जानकारी देना।
8. प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना।
9. विद्यार्थी में लेखन, वाचन और श्रवण के साथ-साथ कल्पनाशक्ति का विकास करना जिससे कि उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके।
10. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग तलाशना |
11. वर्तमान युग सूचना क्रांति का युग है जिसमें अभिव्यक्ति की प्रधानता है ऐसे में तकनीकी के विकास ने साहित्य संचरण को अत्यंत सुगम बना दिया है इसी के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य लेखन और अनुवाद का मंच प्रदान करना जिसका उपयोग कर जनसंचार से लेकर व्यक्तित्व विकास तक मे विद्यार्थी निष्णात हो सके। विद्यार्थी की रूचियों को एक व्यवस्थित रूप देना और उन्हें विभिन्न विधाओं में से चयन की स्वतंत्रता प्रदान करना ताकि ये स्नातक कार्यक्रम के पूर्ण होने के बाद खुद ही साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में से अपनी रूचि के अनुसार चयन कर सके।
12. भारत के साहित्यिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जानने के प्रति जागरुकता पैदा करना भी हिंदी साहित्य के अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य है।

हिंदी स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नांकित लक्ष्यों को प्राप्त करना है :

1. विद्यार्थियों को संवेदनशील नागरिक बनाना।
2. एक कुशल वक्ता का निर्माण करना ।
3. समाज और समुदाय के प्रति संवेदनशील दृष्टि का विकास करना ।
4. राष्ट्रीय चेतना का विकास करना ।
5. मानवीय मूल्यों के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करना ।
6. साहित्य में राष्ट्र और राष्ट्रवाद के सही अर्थों को बताना ।
7. मूलभूत कौशल जैसे लेखन, श्रवण और अभिव्यक्ति का विकास करना ।
8. स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक के विशिष्ट साहित्य से परिचित कराना ।
9. भाषा संबंधी कौशल का विकास करना ।
10. उच्चारण, वर्तनी और लिपि का सही-सही ज्ञान कराना।
11. समाज के विभिन्न समुदायों के प्रति सहिष्णुता की भावना का विकास करना ।
12. विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना ।

*****

UG 1stSEMESTER

Paper code : HIN MAJ 101 - 4

Paper Title : हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं भक्तिकाल

Total Marks : 100

इकाई –1. हिन्दी साहित्येतिहास में काल विभाजन, आदिकाल का नामकरण, परिस्थितियाँ, सिद्धसाहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य परंपरा ।

इकाई – **2**. भक्तिकाल- सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ ।

इकाई – **3**. भक्ति आन्दोलन की पृष्ठभूमि, संत काव्य परंपरा, सूफी काव्य परंपरा, कृष्ण काव्य परंपरा, रामकाव्य परंपरा ।

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र (सं.)
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचन्द्र गुप्त
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल –डॉ.हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ.बच्चन सिंह
6. साहित्य और इतिहास – सुखदा पाण्डेय
7. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ.रामकुमार वर्मा
8. हिन्दी साहित्य का अतीत- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. पृथ्वीराज रासो की भाषा – डॉ.नामवर सिंह

Paper code :- HIN MIN 101 - 4

Paper title :- आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य

Total marks : 100

इकाई 1 : (क) गोरखनाथ : पद : 1 , 2, 4 , 5 , 6

आदिकालीन काव्य, संपादक : डॉ वासुदेव सिंह , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

(ख) विद्यापति : पद : 1 , 2 , 8 , 10 11

विद्यापति , डॉ शिवप्रसाद सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद – 01

इकाई 2 : (क) कबीरदास : पद : 1, 12 , 22 , 33 , 35

कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |

(ख) जायसी : मानसरोदक खंड (पद्मावत)

पद : 1 , 2 , 3 , 4 ,8

जायसी ग्रंथावली : संपादक - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

इकाई 3 : (क) सूरदास : भ्रमरगीत, पद : 14, 15, 16, 17, 20

मध्यकालीन काव्य , संपादक - डॉ ब्रजनारायण सिंह ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली।

(ख) तुलसीदास : उत्तरकाण्ड (रामचरितमानस)

पद : 1 , 2 ,3 , 4 , 5

रामचरितमानस , गीताप्रेस, गोरखपुर |

सहायक ग्रंथः

1. विद्यापति डॉ शिवप्रसाद सिंह :,लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद 1-
2. विश्वकवि विद्यापति – सीताराम झा प्रकाशन विभाग " श्याम",सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार|
3. सूर और उनका साहित्य डॉ हरवंश लाल शर्मा :, भारत प्रकाशन मंदिर (रजि) अलीगढ़ – 01
4. सूरदास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल :, ओमेगा पब्लिशिंग नई दिल्ली 02-
5. गोस्वामी तुलसीदास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल :, नागरी प्रचारणी सभा ,वाराणसी |
6. विद्यापति रमानाथ झा :,साहित्य अकादमी ,दिल्ली |
7. त्रिवेणी आचार्य रामचन :द्र शुक्ल लोकभारती पुस्तक विक्रेता तथा वितरक इलाहाबाद 1-
8. हिन्दी साहित्य का आदिकाल , आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी वाणी प्रकाशन ,दिल्ली 02-

9. चैतन्य गुरु गोरखनाथ और नाथ सिद्ध परंपरा जयराज जयंत सलगावकर :, कौटिल्य बुक्स , दरियागंज , दिल्ली
10. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका – राम पूजन तिवारी
11. कबीर – मीमांसा रामचन्द्र तिवारी :, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद

Paper Code : HINIDC 101-3

Paper title : सोशल मीडिया

Total Marks : 50

इकाई 1- सोशल मीडिया – अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप।
सोशल मीडिया का विकास और आचार - संहिता

इकाई 2 - सोशल मीडिया - सोशल मीडिया के प्रकार - ट्वीटर, व्हाट्सअप, फेसबुक, इन्स्टाग्राम, यू – ट्यूब, इन्टरनेट ।

इकाई 3 - सोशल मीडिया का प्रभाव, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, हिन्दी भाषा का सोशल मीडिया में उपयोग, सोशल मीडिया की उपयोगिता एवं दुष्प्रभाव।

सहायक ग्रंथ

1. मीडिया संग्रह खंड – डॉ. जगदीश्वर चतुर्वेदी ।
2. मीडिया भूमण्डलीकरण और समाज – संपादक – संजय द्विवेदी ।
3. वर्चुअल रिएलिटी और इन्टरनेट – जगदीश्वर चतुर्वेदी ।
4. मीडिया के सामाजिक सामाजिक सरोकार - डॉ. कालूयम परिहार ।
5. सोशल मीडिया - डॉ. योगेश पटेल ।
6. मीडियाः भूमंडलीकरण और समाज – डॉ. संजय द्विवेदी ।
7. मीडिया लेखन सम्पादन- डॉ. शेलेन्द्र सेंगर ।
8. सोशल मीडिया - स्वर्ण सुमन ।
9. डिजिटल मीडिया - डॉ. शेलेन्द्र तिवारी ।
10. मीडिया माफिया – डॉ. अर्जून तिवारी ।
11. सोशल नेटवर्किंगः नए समय का सम्वाद- सम्पादक, संजय द्विवेदी ।

Paper code : HINAEC 101-2

Paper Title:हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

Total Marks : 50

इकाई 1 - भाषाः भाषा की परिभाषा,महत्व,प्रकृति एवं विविध रूप,

हिन्दी भाषा की विशेषताएँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, विभक्ति एवं अव्यय ।

इकाई 2 - हिन्दी के वर्ण विचार : स्वर, व्यंजन और उच्चारण स्थान,स्वर के भेद :ह्रस्व स्वर, दीर्घस्वर ,प्लुत स्वर, घोष, अघोष, अल्पप्राण, महाप्राण, ऊष्म, अन्तस्थ, ओष्ठय, दन्तोष्ठय, दन्त्य, मुर्धन्य, तालव्य, कण्ठय अनुतान, संगम और बलाघात ।

इकाई 3 - भाषा सम्प्रेषण के विविध चरण : वाचन, अभिव्यक्ति, श्रवण, लेखन ।

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास – प्रो. सत्यनारायण त्रिपाठी।

2. हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरू ।

3.व्यवहारिक हिन्दी व्याकरण – श्याम चंद्र कपूर ।

4.सम्प्रेषण कौशल – डॉ. प्रवीन कुमार अग्रवाल और डॉ. अवनीश कुमार अग्रवाल ।

Paper Code : HINSEC 101-3

Paper Title : हिन्दी भाषा कार्यालयी लेखन

Total Marks : 50

इकाई 1. कार्यालयी भाषा – परिभाषा , अवधारणा , संरचना और विशेषताएँ।

इकाई 2. कार्यालयी पत्र – आधुनिक युग में कार्यालयी पत्र का स्वरूप और महत्व।

कार्यालय में प्राप्त पत्रों का अध्ययन , टिप्पण और सुझाव।

इकाई 3. कार्यालयी पत्रों की लेखन – विधि – सरकारी पत्रों के प्रमुख अंग , कार्यालयी पत्र - लेखन के विभिन्न चरण , प्रारूपण , टिप्पण , प्रेस – विज्ञप्ति, कार्यालयी ज्ञापन , कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन लेखन।

सहायक ग्रंथ-

1.प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव -
2.प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी कृष्ण कुमार गोस्वामी –
3.सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग गोपीनाथ श्रीवास्तव –
4.विशिष्ट पत्ररुपचन्द्र गौतम – लेखन -
5.कार्यालयी हिन्दी हरिबाबू कंसल –
6.आजीविका साधक हिन्दी पूरनचंद टंडन –

UG 2nd SEMESTER

Paper Code : HIN MAJ 102 - 4

Paper Title : हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल एवं आधुनिक काल

Total Marks : 100

इकाई – 1 रीतिकाल - नामकरण और सीमांकन, रीतिकालीन परिस्थितियाँ , रीतिकाल कीप्रवृत्तियाँ ।

रीतिकाल – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध ,रीतिमुक्त काव्य धारा ।

इकाई– 2 आधुनिक काल – नामकरण और सीमांकन , परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग , द्विवेदी युग।|

इकाई– 3 आधुनिक काल - छायावाद , प्रगतिवाद , प्रयोगवाद , नई कविता , समकालीन कवितासे अभिप्राय, समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ एंव प्रमुख कवि, हिन्दी गद्य का विकास ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.सम्पा) नगेन्द्र .)
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ गणपति चन्द्र गुप्त .
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय .
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ बच्चन सिंह .
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉबच्चन सिंह .
7. रीतिकाल की भूमिका – डॉनगेन्द्र .
8. हिन्दी रीतिकाल – डॉ भागीरथ मिश्र .
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Paper Code : HIN MIN102 - 4

Paper title : हिन्दी कथा साहित्य

Total Marks: 100

इकाई - 1:जैनेन्द्र कुमार – पाजेब
अज्ञेय – शरणदाता
भीष्म साहनी – चीफ की दावत

इकाई - 2:हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव
मोहन राकेश – एक और जिंदगी
धर्मवीर भारती – गुलकी बन्नो

इकाई - 3:निर्मल वर्मा – परिन्दे
रघुवीर सहाय – विजेता
उषा प्रियवंदा – वापसी

पाठ्य पुस्तकः 1. नागर कथाएँ – डॉ. बालेंदु शेखर तिवारी
2. एक दुनिया : समानान्तर – संपादक - राजेन्द्र यादव

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी की कालजयी कहानियाँ - संपादक - डॉ. विवेक शंकर
2. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश –लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
4. प्रेमचंद कहानी रचनावली – संपादक - कमल किशोर गोयनका
5. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

Paper Code: HINIDC 102-3

Paper Title : प्रेमचंद की कहानियाँ

Total Marks: 50

इकाई 1 - (क) बड़े घर की बेटी

(ख) पंच परमेश्वर

इकाई 2 - (क) शतरंज के खिलाड़ी

(ख) पूस की रात

इकाई 3 - (क) ठाकुर का कुआँ

(ख) कफ़न

सहायक ग्रंथ -

1. प्रेमचंद – डॉ. रामविलास शर्मा ।
2. प्रेमचंद रचना – संचयन,सम्पादक – संपादन निर्मल वर्मा और कमल किशोर गोयनका ।
3. प्रेमचंद कहानी रचनावली - संपादन कमल किशोर गोयनका ।
4. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश ।
5. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र।
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – श्यामचन्द्र कपूर।

Paper code: HINAEC 102-2

Paper title : हिन्दी व्याकरण एवं रचना

Total Marks : 50

इकाई 1 वर्तनी,विराम चिह्न और उनके प्रयोग,संधि एवं संधि के भेद, समास, लिंग निर्णय।

इकाई 2 तत्सम-तद्भव,पर्यायवाची शब्द ,वाक्य रचना, मुहावरे एवं लोकोक्तियां, उपसर्ग और प्रत्यय ।

इकाई 3 संक्षेपण या सार लेखन, अनुच्छेद लेखन, सम्वाद, प्रतिवेदन, विज्ञापन, पत्र-लेखन ।

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. व्यवहारिक हिन्दी व्याकरण, श्याम चंद्र कपूर , प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. हिन्दी-भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास,प्रो.सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

Paper Code : HINSEC 102-3

Paper Title : विज्ञापन एवं हिन्दी भाषा

Total Marks : 50

इकाई - 1 विज्ञापन – अर्थ और परिभाषा, महत्व , विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उदेश्य , मार्केटिक और ब्रांड निर्माता।

इकाई - 2 विज्ञापन के विविध माध्यम का सामान्य परिचय, प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविजन के कॉपी लेखन।

इकाई–3 विज्ञापन की भाषा का स्वरूप , विशेषताएँ, विज्ञापनकी भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, प्रिंट माध्यम – वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन निर्माण।

सहायक ग्रंथ -

1. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ।
2. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य – सुधीर पचौरी।
3. डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह , जगदीश्वर चतुर्वेदी।
4. ब्रेक के बाद – सुधीश पचौरी।
5. मीडिया की भाषा – वसुधा गाडगिल।
6. विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा।
7. विज्ञापन डॉट कॉम – रेखा सेठी।

U.G 3rd SEMESTER

Paper Code - HIN MAJ 201 – 4
Paper Title - आधुनिक हिन्दी कविता

Total Marks –100

इकाई – 1 (क) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (1865- 1973 ई.)
कविता – प्रियप्रवास (पष्ठ सर्ग) पद- 1 से 25 तक
(ख) मैथिलीशरण गुप्त (1886 – 1964 ई.)
कविता - (i) उर्मिला, (ii) यशोधरा
इकाई – 2 (क) माखनलाल चतुर्वेदी (1889-1968 ई.)
कविता - (i) कैदी और कोकिला (ii) जवानी
(ख) रामधारी सिंह 'दिनकार' (1908 – 1974 ई.)
कविता - (i) हिमालय, (ii) बुध्ददेव,
इकाई – 3 (क) धर्मवीर भारती (1926-97 ई.)
कविता - (i) टूटा पहिया (ii) गान्धारी का शाप
(ख) धूमिल (1936 – 75 ई.)
कविता - (i) मोचीराम (ii) प्रौढ़ शिक्षा

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक काव्य संग्रह : सम्पादक, रामवीर सिंह, विश्वविधालय प्रकाशन, वाराणसी ।

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक कविता का इतिहासः नंदकिशोर नवल, प्रकाशक– भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. आधुनिक हिन्दी कविता का वैचारिक पक्षः डॉ. रतन कुमार पाण्डे, अनुराग प्रकाशन. वाराणसी।
3. आधुनिक काव्य में फन्टासी की प्रासंगिकताः डॉ. छोटेलाल दीक्षित, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी।
4. आधुनिक हिन्दी कविताः विश्वनाथप्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आधुनिक हिन्दी काव्यः डॉ. सत्यनारायण सिंह, विश्वविधालय प्रकाशन, वाराणसी ।
6. आधुनिक हिन्दी काव्यधाराः डॉ. विजयपाल सिंह, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी।

Paper Code: HIN MAJ 202 - 4
Paper Title : हिन्दी कहानी

Total Marks : 100

इकाई 1 : हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास
हिन्दी के प्रमुख कहानिकरों का योगदान - जयशंकर प्रसाद, यशपाल, धर्मवीर भारती।

इकाई 2 : दुनिया का सबसे अनमोल रत्न – प्रेमचन्द्र
उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
राही – सुभद्रा कुमारी चौहान
शरणदाता – अज्ञेय

इकाई 3 : तीसरी कसम – फणीश्वर नाथ रेणु
बिरादरी बाहर – राजेन्द्र यादव
मैं हार गई – मन्नू भंडारी
कोसी का घटवारा – शेखर जोशी

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी कहानी का विकाश – मधुरेश
2 .हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
3 .हिन्दी की **21** कालजयी कहानियाँ - सम्पा. डॉ विवेक शंकर
4 .नागर कथाएँ – डॉ. बालेंदु शेखर तिवारी
5 .हिन्दी की गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

Paper Code : HINMIN 201-4
Paper Title : रीतिकालीन काव्य

Total Marks : 100

इकाई 1 : **(क) केशव दास : पद :- (1 – 10)**
(रीतिकाव्य संग्रह – विजयपाल सिंह)

(ख) बिहारी : पद :- (1 -15)
(रीतिकाव्य संग्रह – विजयपाल सिंह)

इकाई 2 : **(क) घनानन्द : पद :- (1-7)**
(रीतिकाव्य संग्रह – विजयपाल सिंह)

(ख) पद्माकर : पद :- (2, 3, 4, 5, 6)
(रीति काव्यधारा , सं० डॉ. रामचन्द्र तिवारी , डॉ. रामफेर त्रिपाठी)

इकाई 3 : **(क) मतिराम : पद :- (1-5)**
(रीति काव्यधारा , सं० डॉ. रामचन्द्र तिवारी , डॉ. रामफेर त्रिपाठी)

(**ख) भूषण : (शिवाजी प्रशसित)** पद :- 9, 10,11,12,13
(रीति काव्यधारा , सं० डॉ. रामचन्द्र तिवारी , डॉ. रामफेर त्रिपाठी)

सहायक ग्रंथः

1. रीति काव्य की भूमिका- डॉ नगेन्द्र
2. घनानन्द का काव्य – डॉ. रामदेव शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आ.रामचन्द्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र (सं.)
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचन्द्र गुप्त
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल –डॉ.हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ.बच्चन सिंह
8. साहित्य और इतिहास – सुखदा पाण्डेय
9. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ.रामकुमार वर्मा
10. हिन्दी साहित्य का अतीत- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Paper code : HINIDC 201-3
Paper Title : रेखाचित्र और संस्मरण

Total Marks : 50

इकाई 1 : कुछ आप बीती कुछ जग बीती – भारतेन्दु
तुम्हारी स्मृति – माखनलाल चतुर्वेदी

इकाई 2 : एक कुता और एक मैना – हजारी प्रसाद द्विवेदी
महाकवि जयशंकर प्रसाद – शिवपूजन सहाय

इकाई 3 : यह सड़क बोलती है – कन्हैया लाल मिश्र " प्रभाकर "
बैलगाड़ी – बेढ़व बनारसी

सहायक ग्रंथ -

1. रेखाएँ और रेखाएँ – सम्पा. सुधाकर पाण्डेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
2. हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित्र – सम्पा. डॉ. चौथीराम यादव।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पा. डॉ. नगेन्द्र।

Paper Code: HIN AEC 201-2

Paper Title : **सर्जनात्मक लेखन**

Total Marks - 50

इकाई - 1 रिपोर्ट – अर्थ , स्वरूप , रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप , रिपोर्ट लेखन पद्धति ।

रिपोर्टर और रिपोर्टरों के दायित्व ।

इकाई – 2 सूचना तंत्र के लिए लेखन –प्रिंट माध्यम – फीचर लेखन ,स्तम्भ लेखन, साक्षात्कार पुस्तक समीक्षा इलेकट्रॉनिक माध्यम – रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म, टेलीविजन, पटकथा लेखन ।

इकाई – 3 आर्थिक पत्रकारिता , खेल पत्रकारिता , फोटो पत्रकारिता , बाजार , खेलकूद समीक्षा । समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक , ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का समीक्षा लेखन

सहायक ग्रंथ-

1. पत्रकारिता को मैंने देखा, जाना, समझा – सनजय कुमार सिंह
2. पत्रकारिता में अपना केरियर बनाइएँ – लवकुमार सिंह
3. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प – मोनहर प्रभाकर , राधाकृष्ण प्रकाशन
4. मेरे साक्षात्कार – मृदुल गार्ग , किताबघर प्रकाशन
5. रेडियो लेखन – मधुकर गंगा
6. पत्रकारिता लेखन के आयाम – मनोहर प्रभाकर
7. मीडिया और हम – राजहंस
8. जन- संचार और मीडिया लेखन – रेवती सरन शर्मा

Paper Code : HIN SEC 201-3

Paper Title : हिन्दी सिनेमा और साहित्य

Total Marks – 50

इकाई – 1 हिन्दी सिनेमा का इतिहास, सिनेमा का महत्व, सिनेमा का तकनीकी पक्ष एवं फिल्म निर्माण की प्रक्रिया।

इकाई – 2 सिनेमा और समाज, सिनेमा और व्यवस्था, बाल सिनेमा, भूमंडलीकरण, बाजार और हिन्दी सिनेमा।

इकाई – 3 साहित्य और सिनेमा का अन्तस्सम्बध, हिन्दी साहित्य पर निर्मित सिनेमा, फिल्म समीक्षा : मदर इंडिया, तीसरी कसम, आँधी, तारे जमीन पर, थ्री इडियट्स।

सहायक ग्रंथ :

1. फिल्म निर्देशन – कुलदीप सिन्हा
2. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
3. नया सिनेमा – ब्रजेश्वर मदान
4. भारतीय सिने सिध्दांत – अनुपम ओझा
5. सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज
6. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रकाशन विभाग
7. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रह्लाद अग्रवाल

8. राजकपूर : आधी हकीकत, आधा फसाना – प्रह्लाद अग्रवाल
9. सिनेमा का जादुई सफर – प्रताप सिंह
10. मोहम्मद रफी : पैगम्बर-ए-मौसिकी – जिया इमाम
11. नौशाद : जर्रा जो आफताब बना – जिया इमाम
12. सिनेमा के बारे में जावेद अख्तर से बातचीत – नसरीन मुन्नी कबीर
13. गुरूदत्त – विमल मिश्र
14. सत्यजीत रे – महेंद्र मिश्र
15. कैमरा मेरी तीसरी आँख – राधू कर्माकर
16. धुनों की यात्रा – पंकज राग

UG 4th SEMESTER

Paper Code – HINMAJ 203-4
Paper Title-छायावादी काव्यधारा

Total Marks –100

इकाई – 1 कामायनी –जयशंकर प्रसाद

पाठ- श्रद्धा सर्ग, लज्जा सर्ग)

इकाई - 2 राग-विराग –सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

पाठ - राम की शक्ति पूजा

सूर्यकांत त्रिपाठी'निराला' - राग-विराग,सं.रामविलासशर्मा,लोक भारतीय प्रकाशन,इलाहाबाद,

इकाई – 3 (क) संधिनी – महादेवी वर्मा

पाठ – (i) कौन तुम मेरे हृदय में

(ii)विरह का जलजात जीवन

(iii)सब बुझे दीप जला लूँ

महादेवी वर्मा – संधिनी,लोक भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993 ई.

(ख) तारापंथ –सुमित्रानंदन पंत

पाठ – *(i)छोड़ द्रुमों की मृदु छाया(मोह)*

(ii) स्तब्ध ज्योत्स्ना में जब संसार (मौन निमन्त्रण)

(iii)बासों का झुरमुट

सुमित्रानंदन पंत– तारापथ, लोक भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996 ई.

सहायक ग्रंथ:

1. प्रसाद का काव्य –प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. कामायनी अनुशीलन – रामलाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. आधुनिक कवि : निराला– रघुवंश, लोक भारतीय प्रकाशन, दिल्ली
4. राम की शक्ति पूजा– नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. कवि सुमित्रानंदन पंत – नन्द दुलारे वाजपेयी,प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
6. महादेवी का काव्य सौष्ठव – कुमार विमल, अनुपम प्रकाशन, पटना

Paper Code –HINMAJ 204-4

Paper Title - हिन्दी उपन्यास

Total Marks- 100

इकाई 1 : हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकाश
हिन्दी प्रमुख उपन्यासकारों - मन्नू भंडारी, जैनेन्द्र कुमार, अमृतलाल नागर।

इकाई 2 : गोदान – प्रेमचन्द्र

इकाई 3 : मृगनयनी- वृन्दावनलाल वर्मा

सहायक ग्रंथ:

1 प्रेमचंद – रामविलाश शर्मा , राधा कृष्ण प्रकाशन, न्यू दिल्ली।
2 हिन्दी उपन्यास का इतिहास – नन्ददुलारे वजपायी , राजकमल प्रकाशन ,न्यू दिल्ली।
3 हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ नगेन्द्र , नेशनल पाब्लिशिंग हाउस , दिल्ली।
4 हिन्दी का उपन्यास साहित्य – गोपाल राय , राज कमल प्रकाशन , नई दिल्ली।

Paper Code – HINMAJ 205-4

Paper Title- भारतीय काव्यशास्त्र

Total Marks – 100

इकाई – 1 भारतीय काव्यशास्त्र एवं विविध सम्प्रदायों का सामान्य परिचय,

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

इकाई – 2 रस सिद्धान्त: परिभाषा, अवयव, स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण

अलंकार: आवधारणा और प्रकार, प्रमुख अलंकार –अनुप्रास, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा,मानवीकरण, अन्योक्तिआदि।

इकाई – 3 छंद : परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण,

प्रमुख छंद : दोहा, चौपाई, छप्पय, हरिगीतिका, सवैया, कवित्त, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका आदि।

सहायक ग्रंथ:

1. काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविधालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतीय काव्य-चिन्तन – शोभाकान्त मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
4. भारतीय काव्यशास्त्र – युगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद
5. रस मीमांसा – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6. रस सिध्दांत : नए सन्दर्भ – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
7. काव्य के अंग – लक्ष्मण दत्त गौतम, भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली
8. भारतीय काव्यशास्त्र – (भाग-1 और भाग-2) बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
9. रस, अलंकार, छन्द तथा अन्य काव्यांग- डॉ. वैंकट शर्मा
10. छन्द प्रभाकर- डॉ. लक्ष्मीशंकर मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
11. रस, छंद, अलंकार- डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, युवराज पब्लिकेशन, आगरा।

Paper Code - HIN MIN 202-4

Paper Title- **प्रयोजनमूलक हिन्दी**

TOTAL MARK 100

इकाई 1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एंव सम्भावनाएँ, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विभिन्न दिशाएँ , प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रासंगिकता।

इकाई 2 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की समस्याएँ और समाधान , प्रयोजनमूलक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर।

इकाई 3 : भाषा व्यवहार - सरकारी पत्राचार, टिप्पणी लेखन, मसौदा लेखन, आलेखन, व्यवसायिक पत्र-लेखन, पारिभाषिक शब्दावली अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी के कुछ अंश)।

सहायक ग्रंथ

1.प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे ।

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी - बालेंदु शेखर तिवारी ।

3. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ भोलानाथ तिवारी ।

4. व्यावहारिक आलेखन और टिप्पणी - डॉ अमूल्य वर्मन ।

5. अनुवाद विज्ञान - डॉ भोलानाथ तिवारी ।

Paper Code : HINAEC 202-2

Paper Title : भाषा - शिक्षण

Total Marks:50

इकाई 1- भाषा-शिक्षण : अभिप्राय तथा उद्देश्य , भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय , सामाजिक , शैक्षिक और भाषिक सन्दर्भ ।
शिक्षण , प्रशिक्षण , अर्जन और अधिगम ।

इकाई 2- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाए – प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य (द्वितीय एवं विदेशी) भाषा की संकल्पना ।

मातृभाषा , द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा शिक्षण में अंतर , सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण ।

इकाई 3- भाषा शिक्षण के कौशल – श्रवन ,भाषण , वाचन , लेखन , हिन्दी का मातृभाषा के रूप (स्कूली शिक्षा , उच्च शिक्षा , दूरस्थ शिक्षा) में शिक्षण ।

द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण , विदेशी भाषा के रुप में भारत तथा विदेशों में हिन्दी भाषा शिक्षण ।

सहायक ग्रन्थ -

1.भाषा शिक्षण – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव ।

2. अन्य भाषा – शिक्षण के कुछ पक्ष – अमर बहादुर सिंह ।

3. भाषा- शिक्षण तथा भाषाविज्ञान – ब्रजेश्वर वर्मा ।

4. भाषा – शिक्षण – लक्ष्मीनारायण शर्मा ।

5.हिन्दी शिक्षण – अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य – सतीश कुमार रोहराएवं सूरजभान सिंह ।

6. हिन्दी भाषा- शिक्षण – भोलानाथ तिवारी ।

7.अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी ।

UG 5th SEMESTER

Paper Code– HIN MAJ 301-4

Paper Title- हिन्दी एकांकी

Total Marks – 100

इकाई – 1 (i)हिन्दी एकांकी का उद्भव और विकास

(ii)हिन्दी के प्रमुख एकांकीकार- हरिकृष्ण प्रेमी, नरेश महेता, भारत भूषण अगरवाल

इकाई – 2 हिन्दी एकांकी:

(i) सड़क- विष्णु प्रभाकर

(ii) स्ट्राइक- भुवनेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव

(iii) जोकं– उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

पाठ्य पुस्तकः पाँच पर्दे- मोहन राकेश

इकाई – 3 हिन्दी एकांकी :

(i) चारूमित्रा – रामकुमार वर्मा

(ii) यह स्वतंत्रता का युग – उदय शंकर भट्ट

(iii) मम्मी ठकुराइन – लक्ष्मीनारायण लाल

पाठ्य पुस्तकः श्रेष्ठ एकांकी – डॉ. विजयपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ:

1. श्रेष्ठ हिन्दी एकांकी-विजय पाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. हिन्दी नाटक और एकांकी- डॉ. शीतल और सुमिता त्रिपाठी।
3. हिन्दी एकांकी- डॉ. सत्येन्द्र, साहित्य रत्न भंडार, आगरा।
4. हिन्दी एकांकी- सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. बदलते परिवेशके एकांकी- डॉ. भारत खुशालीनी।

Paper Code – HINMAJ 302-4

Paper Title – हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान

Total Marks - 100

इकाई –1 भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा की उत्पत्ति के सिद्धान्त, भाषा में परिवर्तन के कारण, मूल भाषा, व्यक्ति बोली, उपभाषा या विभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा।

इकाई – 2 भाषा विज्ञान **:** परिभाषा, क्षेत्र, अन्य शास्त्रों के साथ उसका संबंध।
ध्वनि विज्ञान **:** ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन का कारण,ध्वनि नियमों का सामान्य परिचय।

इकाई – 3 रूप विज्ञान **:**परिभाषा एवं स्वरूप, अर्थतत्व एवं सम्बन्ध तत्व का संयोग,रूप परिवर्तन की कारण।
वाक्य विज्ञान **:** वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्यों के प्रकार,वाक्य में परिवर्तन की दिशाएँ।
अर्थ विज्ञान **:** शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।

सहायक ग्रंथ:

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – डॉ. कपिलदेव तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
5. भाषा का सामाजशास्त्र – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह
6. भाषा-विवेचन – डॉ. भगीरथ मिश्र

Paper Code – HINMAJ 303-4

Paper Title- पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Total Marks – 100

इकाई –1 पाश्चात्य साहित्यलोचन के विकास का सामान्य परिचय, प्लेटो की काव्य सम्बधीमान्यताएँ, अरस्तु का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त।

इकाई - 2 लोंजाइनस का उदात्त सिद्धान्त, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद**,** आई.ए.रिचर्ड्स का मूल्यसिद्धान्त।

इकाई–3 टी.एस.इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त,परम्परा का सिद्धान्त, वर्ड्सवर्ड का काव्यभाषा सिद्धान्त, एस.टी.कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त।

सहायक ग्रंथ:

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविधालय प्रकाशन, वाराणसी
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – तारकनाथ बाली
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा – डॉ. सावित्री सिन्हा
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र दर्शन – जगदीशचंद जैन

Paper Code –HINMAJ 304-4

Paper Title- हिन्दी आलोचना

Total Marks-100

इकाई- 1 आलोचना परिभाषा, स्वरुप, प्रकार, आलोचक के गुण, हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास

इकाई- 2 आलोचक रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी और रामविलास शर्मा-आलोचना दृष्टि की विशेषताएँ, हिन्दी आलोचना को देन।

इकाई- 3 आलोचक डॉ. नगेन्द्र, आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी और नामवर सिंह - आलोचना दृष्टि की विशेषताएँ, हिन्दी आलोचना को देन।

सहायक ग्रंथ-

1. साहित्यालोचन- बाबू श्यामसुन्दर दास
2. काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र
3. आलोचनाः प्रकार और स्वरुप- आनन्द प्रकाश दीक्षित
4. हिन्दी आलोचनाः अतीत और वर्तमान- प्रभाकर माचवे
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेन्द्र

Paper code : HIN MIN 301-4

Paper Title : अनुवाद विज्ञान

Total Marks : 100

इकाई 1. अनुवाद , परिभाषा , प्रकार , अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व ।

इकाई 2. अनुवादप्रक्रिया के तीन चरण – विश्लेषण , अंतरण , एवं पूनर्गठन , स्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा ।

इकाई 3. अनुवाद चिन्तन की परंपरा , आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण , पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएँ ।

सहायक ग्रंथ-

1.अनुवाद - विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

2.अनुवाद निरूपण – भारती गोरे

3.अनुवाद साधना - पूरनचन्द टण्डन

4.अनुवाद सिद्धान्त और समस्याएँ – सं. रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव

5. हिन्दी अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद

6.अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – डॉ. सुरेश कुमार

7. अनुवाद प्रविधि –सं. सूर्यप्रकाश दीक्षित, डॉ.सत्यदेव मिश्र

8. अनुवाद की विविध समस्याएँ- डॉ. ओम प्रकाश गावा

UG 6th SEMESTER

Paper Code– HINMAJ 305-4

Paper Title- हिन्दी नाटक

Total Marks – 100

इकाई – 1 (i) हिन्दी नाटकका उद्भव और विकास

(ii) हिन्दी के प्रमुख नाटककार- *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, भीष्म साहनी, लक्ष्मीकांत वर्मा।*

इकाई – 2 हिन्दी नाटक :

(i) कोर्णाक – जगदीशचंद्र माथुर

(ii)अंधा युग (गीति नाट्य)- धर्मवीर भारती

इकाई – 3 हिन्दी नाटक

(i) आधे अधुरे- मोहन राकेश

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास- दशरथ ओझा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. हिन्दी नाटक- बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिन्दी नाट्य साहित्य- ब्रजरत्न दास, हिन्दी साहित्य कुटीर, बनारस।
4. समकालीन हिन्दी नाटक- नारायण राय, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी का गद्य साहित्य- डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. हिन्दी नाटक और एकांकी- डॉ. शीतल और सुमिता त्रिपाठी।

Paper code : HINMAJ 306-4

Paper Title- हिन्दी निबंध

Total Marks : 100

इकाई 1. निबंध – परिभाषा, भेद , स्वरूप, हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास ।

इकाई 2. मन की दृढ़ता – बालकृष्ण भट्ट ।

कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता – महावीर प्रसाद द्विवेदी ।

आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह ।

करूणा – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

इकाई 3. वसंत आ गया – हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

कबीरा खड़ा बाजार में – हरिशंकर परसाई ।

मेरे राम का मुकुट भीग रहा हैं - विद्यानिवास मिश्र ।

रस आखेटक – कुबेरनाथ रॉय ।

सहायक ग्रंथ -

1.हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी ।

2.ललित निबंध – केंद्रीय हिन्दी संस्थान ।

3.अशोक के फूल – हजारी प्रासद द्विवेदी ।

4.निबंध निकष – डॉ. रामचंद्र तिवारी

5.हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी ।

Paper Code : HINMAJ 307-4

Paper Title - लोक साहित्य

Total Marks -100

इकाई-1 लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसम्बन्ध लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

इकाई- 2 भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रुपों का वर्गीकरण, लोकगीतः संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत,जातिगीत, लोकनाट्य – रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी।

इकाई-3 हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि, हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।

लोककथा- व्रतकथा, परीकथा, नाग-कथा, कथारुढ़िया और अंधविश्वास, लोकभाषाः लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ, लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।

सहायक ग्रंथ-

1. भोजपुरी लोकगीत (भाग-1) - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, प्रकाशक- इलाहाबादः हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग-12, सम्मेलन मार्ग, 1960 ई.
2. भोजपुरी लोकगीत(भाग-2) - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय,, इलाहाबादः हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग-12, सम्मेलन मार्ग, 1999 ई.
3. लोक संस्कृति की रूपरेखा- डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय,, इलाहाबादः लोकभारती प्रकाशन, 2009 ई.
4. लोक साहित्य विज्ञान- डॉ.सत्येन्द्र, आगराः शिवलाल एण्ड कम्पनी, 1971 ई.
5. लोक साहित्य विमर्श- स्वर्णलता, डॉ, जयपुरः चन्पालाल रॉका एण्ड कम्पनी, 1986 ई.
6. लोकगीतों के सन्दर्भ और आयाम- जैन, डॉ. शान्ति., वाराणासीः विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन,

Paper Code : HIN MAJ 308-4

Paper Title : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

Total Marks :100

इकाई -1(क)सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

कविता- (i) कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप

(ii) कितनी नावों में कितनी बार

(iii) औद्योगिक बस्ती

(ख)केदारनाथ अग्रवाल –

कविता- (i) चन्द्र गहना से लौटती बेर,

(ii) माँझी न बजाओ बंसी

(iii) मेरा मनडोलना

इकाई – 2(क)नागार्जुन:

कविता- (i) बादल को घिरते देखा है,

(ii) अकाल और उसके बाद,

(iii) ऐसे भी हम क्याऐसे भी तुम क्या

(ख)शमशेर बहादुर सिंह

कविता- (i) एक पीली शाम

(ii) बात बोलेगी

(iii) सागर तट।

इकाई – 3 (क) गिरजाकुमार माथुर

कविता- (i) आज हैं केसर रंग रंगे वन,

(ii) छाया मत छूना,

(iii) अर्थ शून्य।

(ख)सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

कविता- (i) देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता,

(ii) मुक्ति की आकांक्षा,

(iii) फसल।

पाठ्य पुस्तक –

1. छायावादोत्तर काव्य संग्रह – राम नारायण शुक्ल, श्री निवास पाण्डेय, संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी ।
2. समकालीन कविता – डॉ. मालती तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

सहायक ग्रंथ –

1. अज्ञेय, कवि और काव्य – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ।
2. नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी ।
3. आधुनिक कविता यात्रा – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी ।
4. समकालीन हिन्दी कविता – डॉ. अरविन्दाछान ।

Paper- HIN MIN 302-4

Paper Title - हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

Total Marks :100

इकाई -1 भारतीय पत्रकारिता का विकास, हिन्दी पत्रकारिता के विभिन्न चरण, स्वतंत्रता पूर्व की पत्रकारिता, स्वतंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता ।

इकाई – 2 आधुनिक युग में पत्रकारिता, पत्रकारिता की महत्ता, पत्रकारिता के विविध रूप ।

इकाई – 3 पीत पत्रकारिता, अन्वेषी पत्रकारिता, रेडियो, टेलीविज़न, फोटो पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, ई-जर्नलिज्म़, स्टींग ऑपरेशन ।

महत्त्वपूर्ण पत्र – पत्रिकाएं – भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, आज, धर्मयुग, हिन्दुस्तान, जनसत्ता, कादम्बिनी, हंस ।

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास – मीनाक्षी सिंह ।
2. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी ।
3. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र ।
4. भारत में पत्रकारिता – आलोक मेहता ।
5. रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर ।
6. पत्रकारी लेखन के आयाम – मनोहर प्रभाकर ।

UG VII SEMESTER

Paper Code – HIN MAJ 401-4

Paper Title - तुलसीदास

Total Marks - 100

इकाई 1 : रामचरित मानस – (अयोध्याकाण्ड) दोहा संख्या 67 से 86 तक , गीता प्रैस, गौरखपुर ।

इकाई 2: कवितावली – (उत्तर काण्ड) 20 छंद (29, 35 , 37 , 44 , 60 , 73 ,74 , 89,102,108,119,126,132,134,136,140,141,146,161,182) गीता प्रेस ,गोरखपुर ।

इकाई 3 : गीतावली – (बाल काण्ड) 15 पद - (7,8,9,10,18,24,31,36,44,73,97,101,104,106,110) गीता प्रेस ,गोरखपुर ।

इकाई 4 : विनय पत्रिका (20 पद) (पद संख्या - 1, 5, 30, 36, 45, 72, 79, 85, 90, 94, 100, 111, 115,121, 160, 165, 167, 182, 201, 272) गीता प्रेस , गोरखपुर ।

सहायक ग्रंथ :-

1. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह
2. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल
3. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य – शिवकुमार
4. रामकथा – फादर कामिल बुल्के
5. लोकवादी तुलसी – विश्वनाथ त्रिपाठी
6. तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्ता

Paper Code –HINMAJ402-4

Paper Title - पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तन एवं विविध वाद

Total Marks - 100

इकाई 1 : पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तन का इतिहास,स्वच्छद्तावाद,अस्तित्ववाद, अभिव्यंजनावाद।

इकाई 2 : मनोविश्लेषणवाद, आधुनिकतवाद, उत्तर आधुनिकतवाद, संरचनावाद, मार्क्सवाद, यथार्थवाद।

इकाई 3 : बिम्ब, फैटेसी, मिथक, प्रतीक, विखण्डन शास्त्रीयता।

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन- निर्मला जैन।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास - डॉ नगेन्द्र।
3. पाश्चात्य साहित्य लोचन कोश – राजवंश हीरा सहाय।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र।
5. प्रमुख पाश्चात्य दार्शनिक – डॉ. डी आर जाटव
6. पाश्चात्य दार्शनिक प्लेटो से कामू तक – महेन्द्र कुलश्रेष्ठ
7. समकालीन पाश्चात्य दर्शन – स. यशदेव शल्य एवं चादमल शर्मा
8. पाश्चात्य दर्शनों का इतिहास – गुलाबराय
9. पाश्चात्य दर्शन और सामाजिक अन्तविरोध – डॉ. रामविलास शर्मा
10. पाश्चात्य काव्य चिन्तन – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
11. पाश्चात्य काव्य चिन्तन – डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय

Paper Code – HIN 403 - 4

Paper Title– अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य

Total Marks – 100

इकाई – 1 अस्मितामूलक विमर्शः

(i) दलित विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन, फूले और अम्बेडकर

(ii) स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय)
रैडिकल, मार्क्शवादी, व्यक्तिवादी, उदारवादी, आदि। लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता

(iii) आदिवासी विर्मश : अवधारणा और आन्दोलन

इकाई – 2 विमर्शमूलक कथा साहित्य:

(i) ओमप्रकाश बाल्मीकि – सलाम

(ii) हरिराम मीणा – धूणी तपे तीर (पृष्ठ संख्या – 158-167)

(iii) नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी

इकाई – 3 विमर्शमूलक कविता :

(क) दलित कविता : अछूतानंद – (दलित कहाँ तक पड़े रहेगे)
नगीना सिंह – कितनी व्यथा
माता प्रसाद – सोनवा का पिंजरा

(ख) स्त्री कविता :

(i) कीर्ति चौधरी – सीमा रेखा

(ii) कात्यायनी – सात भाइयों के बीच चम्पा

(iii) सविता सिंह – मैं किसकी औरत हूँ?

सहायक ग्रंथ :

(i) सिनेमा द वोउबा- स्त्री उपेतक्षिता ल

(ii) गुलामगीरी- ज्योतिबा फूले

(iii) प्रभा खेता- उपनिवेश में स्त्री

(iv) अंबेडकर रचनावाली- भाग-1

(v) सुधा सिंह- स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा

(vi) सुशीला टांकमौरे- शिकंजे का दर्द

(vii) शरण कुमार लिंबाले - दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

(viii) ओम प्रकाश बाल्मीकि- दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

(ix) जिनी निवेदिता- नारीवादी राजनीति

(x) रजन रानी-हिन्दी दलित कथा साहित्यः अवधारणा एवं विधाएँ

(xi) अरविंद जैन- औरत होने की सजा

(xii) रमणिका गुप्ता- आदिवासी अस्मिता का संकट

Paper Code – HIN MAJ 404 - 4

Paper Title – शोध प्रविधि

Total Marks – 100

इकाई – 1 शोध का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व, हिन्दी शोध का विकास, शोध के क्षेत्र, शोध के प्रकार।

इकाई – 2 साहित्यिक शोध एवं वैज्ञानिक शोध में साम्य एवं वैषम्य, साहित्यिक शोध की विशेषताएँ, शोध सम्बन्धी समस्याएँ।

इकाई – 3 शोध के विषय चयन, सामाग्री संकलन, शोध और तथ्य विश्लेषण, शोध और निष्कर्ष, शोधार्थी के गुण।

सहायक ग्रंथ :

(1) शोध प्रविधि – विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली।

(2) शोध प्रविधि और प्रक्रिया – चद्रंयान रावत, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा।

(3) हिन्दी अनुसंधान – विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड संस,कश्मीरी गेट,दिल्ली।

(4) साहित्यिक शोध के आयाम – शशिभूषण सिंघल, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।

(5) शोध और सिद्धान्त – नग्रेंद्र, निशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली।

(6) हिन्दी अनुसंधान : स्वरूप और विकास – राजुरकर एवं राजकमल बोरा, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली।

(7) हिन्दी शोध तंत्र की रूपरेखा – डॉ. मनमोहन सहाय, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

(8) साहित्यिक अनुसंधन के आयाम – रवीन्द्र कुमार जैन, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली।

(9) अनुसंधान की समस्याएँ – डॉ. ओमप्रकाश, आर्य बुक डिपो 30, नाईवाल करोलवाग, नई दिल्ली।

(10) अनुसंधान प्रविधि सिद्धान्त और प्रक्रिया – डॉ. एस एन गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

(11) अनुसंधान का स्वरूप – सावित्री सिन्हा।

(12) अनुसंधान की प्रक्रिया – सावित्री सिन्हा/विजयेन्द्र स्नातक।

(13) राइटिंग और सोसाइटी – रेमंड विलियम।

(14) संरचनात्मक शैली विज्ञान – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्ताव।

Paper Code – HIN MIN 401 – 4

Paper Title – नाटक एवं रंगमंच

Total Marks – 100

इकाई – 1 संस्कृत एवं पारंपरिक रंगमंच का स्वरूप,

प्रमुख पारंपरिक नाट्य-रूप- रामलीला, रासलीला, स्वांग, नौटंकी, ख्याल आदि।

इकाई – 2 हिन्दी रंगमंच का उद्भव और विकास, स्वतंत्रतापूर्व रंगमंच, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच, आधुनिक रंगमंच की विविध शैलियाँ,

इकाई – 3 भारतेंदु हरिश्चन्द्र, जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश का रंगमंच-संबंधी चिंतन।

सहायक ग्रंथ :

(1) नाट्यशास्त्र – राधावल्लभ त्रिपाठी
(2) नाट्यशास्त्र – रेवा प्रसाद व्दिवेदी
(3) रंगदर्शन – नेमिचंद जैन
(4) पारंपरिक भारतीय रंगमंच – कपिला वात्स्यायन
(5) परंपराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर
(6) नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक – हजारीप्रसाद व्दिवेदी
(7) रंगमंच और नाटक की भूमिका – लक्ष्मीनारायण लाल
(8) हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : ब्रेख्त का प्रभाव – सुरेश वशिष्ठ
(9) आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल
(10) पारसी हिन्दी रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

U.G – VIII SEMESTER

Paper Code – HIN MAJ 405-4

Paper Title- जयशंकर प्रसाद

TotalMarks–100

इकाई – 1 जयशंकर प्रसाद : जीवनी तथा साहित्यिक परिचय
काव्य –(i) चित्राधार
(ii) झरना
(iii) आँसू
(iv) लहर

इकाई – 2 नाटक-
(i) ध्रूवस्वामिनी
(ii) एक घूँट

इकाई – 3 उपन्यास : कंकाल

सहायक ग्रंथ :

(i) जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
(ii) प्रसाद और उनका साहित्य – विनोद शंकर व्यास
(iii) जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – रामेश्वर खण्डेलवाल
(iv) प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर
(v) प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
(vi) प्रसाद रचना संचायन – विष्णु प्रभाकर, रमेशचन्द्र शाह, साहित्य एकेडमी

Paper Code – HIN MIN 402-4

Paper Title – संस्कृत साहित्य का अध्ययन

Total Marks - 100

इकाई – 1 (i) संस्कृत साहित्य के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय

(ii) वैदिक साहित्य

(iii) रामायण, महाभारत, एवं पुराण,

(iv) महाकाव्य

इकाई – 2 ऐतिहासिक महाकाव्य, काव्य की अन्य विधाएँ, गध काव्य एवं चम्पू काव्य, कथा साहित्य, नाट्य साहित्य, आधुनिक संस्कृत साहित्य

इकाई – 3 मेघदूत – कालिदास

पाठ (i) मेघदूतम् – कालिदास (पूर्वमेघ)

(ii) मेघदूतम् – कालिदास (उत्तरमेघ)

सहायक ग्रंथ :

(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास : मूल लेखक, वेङ्क्ट वरदाचार्य एम.ए
अनुवादक : डॉ. कपिलदेव व्दिवेदी,
प्रकाशक : रामनारायणलाल बेनीप्रसाद, प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता,
इलाहाबाद – 2

(ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास : डॉ. उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'

(iii) संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (चतुर्थ खण्ड)
आधुनिक काल 1900 ई. से 2017 ई. तक : राधावल्लभ त्रिपाठी

(iv) संस्कृत साहित्य कोश – सम्पादक - डॉ. राजवंश सहाय

(v) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : प्रणेता, पध श्री डॉ. कपिलदेव व्दिवेदी, प्रकाशक : रामनारायण लाल विजयकुमार, कटरा रोड, इलाहाबाद – 02

(vi) संस्कृत साहित्य का इतिहास : डॉ. सजीव कुमार, प्रकाशक : विश्व भारती पब्लिकेशन, दिल्ली।
(vii) संस्कृतबौद्ध साहित्य में इतिहास और संस्कृति – प्रो.अगने लाल, प्रकाशक : उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
(viii) संस्कृत साहित्य का इतिहास (प्रथम भाग) वैदिक युग, अनुवादक : श्री चारूचन्द्र शास्त्री, प्रकाशक : चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी -1
(ix) संस्कृत साहित्य का इतिहास – वैदिक साहित्य की रूपरेखा सहित – अग्रवल, हंसराज, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
(x) संस्कृत साहित्य का इतिहास (वैदिक खण्ड) – डॉ.प्रीतिप्रभा गोयल – राजस्थानी ग्रंन्थागर, जोधपुर।
(xi) संस्कृत साहित्य-परिचय (संशोधित संस्करण), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, (NCERT)
(xii) संस्कृत साहित्य का वृहद इतिहास (त्रयोदश खण्ड – पुराण), प्रधान सम्पादक :स्व.पद्मभूपूण श्री बलदेव उपाध्याय, सम्पादक : प्रो. गंगाधर पण्डा, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
(xiii) संस्कृत – वाङ्मय का वृहद इतिहास (प्रथम खण्ड) – वेद, प्रधान सम्पादक : प्रो. ब्रज बिहारी चौबे, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
(xiv) संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ.सत्यनारायण पाण्डेय एवं डॉ. श्रीकान्त पाण्डेय, प्रकाशक : साहित्य भण्डार, मेरठ।

Paper Code – HIN ADL 401-4

Paper Title – सूरदास

Total Marks - 100

इकाई – 1 (क) सूरदास का परिचय

(ख) सूरदास का साहित्य

(ग) सूरदास के दार्शनिक सिद्धान्त

(घ) सूरदास का भक्ति पक्ष

(ङ) पुष्टि सम्प्रदाय और भक्त सूरदास

इकाई – 2 विनय तथा भक्ति – पद संख्या – 2, 9, 16, 18, 23, 25, 46

गोकुल लीला – पद संख्या – 7, 18, 19, 33, 41, 60, 70

वृन्दावन लीला – पद संख्या – 3, 13, 38, 43, 80, 86, 135

इकाई – 3 उद्धाव संदेश – पद संख्या – 41, 48, 49, 55, 60, 62, 65, 66,

76, 77, 82, 94, 95, 132, 135, 136, 145, 155, 157, 158

मूल ग्रंथ – सूरसागर सार सटीक– संपादक – धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड इलाहाबाद

सहायक ग्रंथ :

(1) सूर और उनका साहित्य – डॉ. हरवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर अलीगढ़।
(2) सूरदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
(3) भक्ति आन्दोलन और भक्ति काल – शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
(4) सूरदास – भ्रमरगीत सार, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

Paper Code –HIN ADL 402-2

Paper Title – प्रेमचंद

Total Marks - 100

इकाई – 1 प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं जीवन दृष्टि, प्रेमचंद का साहित्य

इकाई – 2 1. नाटक – प्रेम की वेदी

2. निबंध – महाजनी सभ्यता

इकाई – 3 1. उपन्यास – सेवासदन

2. कहानी – कजाकी, हिंसा परमो धर्म, सुजान भगत, इस्तीफा।

सहायक ग्रंथ:

1. प्रेमचंद रचना संचयन – संपादन निर्मल वर्मा, कमल किशोर गोयनका।
2. प्रेमचंद चार, प्रेमचंद कहानी रचनावली – संकलन एवं संपादन कमल किशोर गोयनका।
3. प्रेमचंद पाँच, प्रेमचंद कहानी रचनावली – संकलन एवं संपादन कमल किशोर गोयनका।
4. प्रेमचंद और उनका युग – डॉ. रामविलास शर्मा।
5. हमारे कवि और लेखक – डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी और राकेश।
6. प्रेमचंद और दलित विर्मश – स. अनिल कुमार, एस एल गौतम।
7. हिन्दी गद्ध – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. साहित्य कोश, भाग-2 – डॉ. हरदेव बाहरी
9. प्रेमचंद कलम का सिपाही – अमृतराय
10. प्रेमचंद कहानी रचनावली ; 6 भागों में, - डॉ. कमल किशोर गोयनका
11. हिन्दी के चर्चित उपन्यासकार प्रेमचंद – डॉ. भगवतीशरण मिश्र
12. प्रेमचंद एक साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे वाजपेयी।

Paper Code – HINADL 403-4

Paper Title – बौद्ध धर्म, दर्शन और साहित्य

Total Marks - 100

इकाई – 1 बौद्ध धर्म : उद्भव, विकास एवं पतन

इकाई – 2 बौद्ध दर्शन के सामान्य सिद्धान्त :

1. कार्य-कारण सम्बधी सिद्धान्त
2. कर्म फल के सिद्धान्त
3. विभिन्न बौद्धसिद्धान्त में निर्वाण का रूप

इकाई – 3 बौद्ध साहित्य का सामान्य परिचय :

1. बुद्धपूर्व वैदिक वाङ्मय : रामायण और महाभारत
2. बौद्ध वाङ्मय : त्रिपिटक

3. परवर्ती बौद्ध साहित्य
   (क) पालि बौद्ध साहित्य
   (ख) संस्कृत बौद्ध साहित्य

बौद्ध साहित्य का वर्गीकरण

(1) धर्म, नीति एवं आचार
(2) दर्शन
   (क) पालि ग्रंथ
   (ख) संस्कृत ग्रंथ
(3) साहित्य :
   (क) पालि साहित्य
   (ख) संस्कृत साहित्य

सहायक ग्रंथ :

(i) बौद्ध धर्म और तिब्बती परम्पराएँ – विजय कुमार सिंह, प्रकाशक : संक्ल्प पाब्लिकेशन, छत्तीसगढ़।

(ii) बौद्ध धर्म को काशी की देन : शशिभूषण सिंह, सुरूचि प्रकाशन, नई दिल्ली।

(iii) बौद्ध धर्म – दर्शन : आचार्य नरेन्द्रदेव, मोतिलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, प्राइवेट सिमिटेड, दिल्ली।

(iv) भारत में बौद्ध धर्म का उत्थान और पतन – महापण्डित राहुल सांकृत्यायन।

(v) बौद्ध संस्कृति – महापण्डित राहुल सांकृत्यायन

(vi) बौद्ध दर्शन : राहुल सांकृत्यायन

(vii) बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास – डॉ. गोविन्द चंद्र पाण्डेय, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।

(viii) बौद्ध साहित्य में भारतीय समाज – डॉ. परमानंद सिंह, मोतिलाल बनारसीदास, पब्लिशर्स, प्राइवेट सिमिटेड, दिल्ली।

(ix) संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर

(x) पालि साहित्य का इतिहास – भरत सिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

(xi) बौद्ध संस्कृति का इतिहास – डॉ. भागचंद्र चैन, आलोक प्रकाशक, नागपुर

(xii) बौद्ध दर्शन तथा अन्य भारत – भरत सिंह उपाध्याय, मोतिलाल बनारसीदास, पब्लिशर्स, प्राइवेट सिमिटेड, दिल्ली।